OPEN ACCESS

Volume: 4

Issue: 1

Month: March

Year: 2025

ISSN: 2583-7117

Published: 27.03.2025

Citation:

डॉ. उषा वैध, भारती कुर्मी "**जबलपुर जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों की भूमिका: कुपोषण और स्वास्थ्य पर समाजशास्त्रीय प्रभाव का अध्ययन**" International Journal of Innovations in Science Engineering and Management, vol. 4, no. 1, 2025, pp. 343–357.

DOI:

10.69968/ijisem.2025v4i1343-357

This work is licensed under a Creative Commons Attribution-Share Alike 4.0 International License

जबलपुर जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों की भूमिका: कुपोषण और स्वास्थ्य पर समाजशास्त्रीय प्रभाव का अध्ययन

डॉ. उषा वैध[1], भारती कुर्मी[2]

[1]प्रोफेसर समाजशास्त्र, मानविकी और उदार कला संकाय, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, रायसेन
[2]शोधार्थी, समाजशास्त्र, रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी, रायसेन, मध्य प्रदेश

सारांश

यह अध्ययन जबलपुर जिले के केंट क्षेत्र में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं का विश्लेषण करता है, जो विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर प्रभाव डालती हैं। शोध के दौरान पाँच प्रमुख परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया, जिनका विश्लेषण सांख्यिकीय डेटा और सांख्यिकीय विधियों के माध्यम से किया गया। अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि आंगनबाड़ी सेवाएँ गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य सुधार में सहायक हैं। सामाजिक-आर्थिक स्थिति और आंगनबाड़ी सेवाओं के बीच महत्वपूर्ण संबंध पाया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि गरीबी और शिक्षा स्तर सेवा उपयोग को प्रभावित करते हैं। इसके अलावा, पोषण शिक्षा से महिलाओं की जागरूकता बढ़ती है, जिससे उनके आहार और पोषण व्यवहार में सुधार होता है। सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ने से आंगनबाड़ी सेवाओं के उपयोग में भी वृद्धि देखी गई। तुलनात्मक अध्ययन से पता चला कि आंगनबाड़ी सेवाएँ गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक प्रभावी हैं। अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर सेवा वितरण और जागरूकता कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने की सिफारिश की गई है।

कीवर्ड: आंगनबाड़ी सेवाएँ, मातृ स्वास्थ्य, पोषण शिक्षा, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, सरकारी योजनाएँ

प्रस्तावना

कुपोषण एक गंभीर सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्या है, जो शारीरिक, मानसिक और संज्ञानात्मक विकास को बाधित करती है। यह समस्या विशेष रूप से उन क्षेत्रों में अधिक पाई जाती है, जहाँ शिक्षा, जागरूकता, और पोषण संबंधी संसाधनों की कमी है। भारत में, विशेष रूप से ग्रामीण एवं पिछड़े इलाकों में, कुपोषण की व्यापकता एक प्रमुख चुनौती बनी हुई है। कुपोषण के दुष्प्रभाव न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामाजिक और आर्थिक स्तर पर भी देखे जा सकते हैं।

इसे नियंत्रित करने और स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) कार्यक्रम के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना की गई है। ये केंद्र पोषण संबंधी सहायता, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, तथा पूर्व-प्राथमिक शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, आंगनबाड़ी केंद्र गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और किशोरियों को भी आवश्यक स्वास्थ्य और पोषण संबंधी परामर्श उपलब्ध कराते हैं। ये केंद्र न केवल बच्चों के समग्र विकास में सहायक सिद्ध होते हैं, बल्कि महिलाओं को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए, इन केंद्रों के कार्यों और समाज पर उनके प्रभाव का अध्ययन आवश्यक है।

आंगनबाड़ी की अवधारणा

आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना मुख्य रूप से छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को लाभ पहुंचाने के लिए की गई थी। इन केंद्रों का संचालन स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायकों द्वारा किया जाता है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समुदाय के भीतर पोषण, स्वास्थ्य, और शिक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने का कार्य भी करती हैं।

आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रमुख सेवाएँ

पोषण सेवाएँ - बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को पूरक पोषण आहार प्रदान किया जाता है।

स्वास्थ्य देखभाल - टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, और बुनियादी चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराया जाता है।

प्रारंभिक बाल शिक्षा - 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों को पूर्व-प्राथमिक शिक्षा दी जाती है।

महिला सशक्तिकरण - महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य, और बाल देखभाल से जुड़ी जानकारी दी जाती है।

स्वच्छता और जागरूकता कार्यक्रम - स्वच्छता, परिवार नियोजन, और अन्य सामाजिक मुद्दों पर समुदाय को शिक्षित किया जाता है।

कुपोषण की अवधारणा

कुपोषण एक स्वास्थ्य स्थिति है जो पोषक तत्व की कमी के कारण होती है स्वस्थ रहने के लिए भोजन हमें ऊर्जा और पोषक तत्व प्रदान करता है। जब आवश्यक मात्रा में पोषण नहीं मिलता तो शरीर ठीक से ग्रोथ नहीं कर पाता है। इसके साथ ही वजन भी बहुत कम हो जाता है इसके कारण कई गंभीर परेशानियां जैसे डायबिटीज, हृदय रोग होने की संभावना रहती है गलत खानपान की आदत खाने में जरूरी पोषक तत्वों के ना होने के कारण भी यह समस्या होती है दुनिया में लोग इस परेशानी से जूझ रहे हैं। कई जगह पर वहां के पर्यावरण और लाइफस्टाइल के कारण इसके होने की संभावना अधिक होती है कुपोषण से ग्रसित लोगों में विटामिंस मिनरल्स और पदार्थों की कमी होती है जो शरीर सही तरह से काम करने के लिए बेहद जरूरी है शरीर के लिए आवश्यक संतुलित आहार लंबे समय तक नहीं मिलना ही कुपोषण है। कुपोषण के कारण बच्चों और महिलाओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है जिससे वे आसानी से कई तरह की बीमारियों के शिकार बन जाते है। अतः कुपोषण की जानकारियां होना जरूरी है कुपोषण पर्याप्त संतुलित आहार के अभाव में होता है बच्चों और स्त्रियों के अधिकांश रोगों की जड़ कुपोषण ही होता है। स्त्रियों मे रक्ताल्पता या घेंघा रोग अथवा बच्चों में सुखा रतौंधी

और यहां तक कि अवधत्व भी कुपोषण के ही दुष्परिणाम है।

अध्ययन का उद्देश्य

- वर्तमान अध्ययन का मुख्य उद्देश्य जबलपुर जिले के कैंट में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना है, जिसके लिए शोधकर्ता ने निम्नलिखित उद्देश्य बनाए हैं।
- आंगनबाड़ी केन्द्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली योजनाओं का उनके लाभार्थियों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।
- आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाली ग्रामीण गर्भवती महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति जानना।
- आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाली गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का अध्ययन करना।
- आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाली गर्भवती महिलाओं में पोषण शिक्षा का मूल्यांकन।
- आंगनबाड़ी केन्द्रों पर जाने वाली महिलाओं और गैर गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- मप्र सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओं के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना।

अनुसंधान पद्धति

इस अध्ययन में आंगनबाड़ी केंद्रों के कुपोषण और स्वास्थ्य पर प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया गया है, जो विषय से संबंधित प्राथमिक डेटा एकत्र करने में सहायक होती है। जबलपुर जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों के लाभार्थियों और कर्मचारियों से जानकारी प्राप्त की गई।

शोध का मुख्य उपकरण प्रश्नावली है, जिसे इस प्रकार तैयार किया गया कि यह शोध की परिकल्पनाओं को माप सके।

इन परिकल्पनाओं को पाँच प्रमुख बिंदुओं पर तैयार किया गया, जो समाज पर आंगनबाड़ी केंद्रों के प्रभावों का आकलन करने में सहायक हैं।

डेटा संग्रह में केवल प्राथमिक स्रोतों का उपयोग किया गया। 535 उत्तरदाताओं से प्राप्त डेटा को सावधानीपूर्वक विश्लेषण के लिए तैयार किया गया। अध्ययन में सहसंबंध तकनीक (Correlation Technique) का प्रयोग किया गया, जिससे यह समझा जा सके कि आंगनबाड़ी सेवाओं का बच्चों के पोषण स्तर और माता-पिता की जागरूकता पर क्या प्रभाव है।

यह दृष्टिकोण शोध को व्यवस्थित और वैज्ञानिक रूप से समझने में सहायक है। इसका उद्देश्य न केवल कुपोषण और स्वास्थ्य पर आंगनबाड़ी केंद्रों के प्रभाव का मूल्यांकन करना है, बल्कि इन सेवाओं की प्रभावशीलता बढ़ाने के उपाय सुझाना भी है।

आँकड़ा विश्लेषण और व्याख्या

तालिका 1 आयु वर्ग

आयु वर्ग					
		Frequency	Percent	Valid Percent	Cumulative Percent
Valid	18-25 वर्ष	147	27.5	27.5	27.5
	26-35 वर्ष	287	53.6	53.6	81.1
	36-45 वर्ष	59	11.0	11.0	92.1
	45 वर्ष से अधिक	42	7.9	7.9	100.0
	Total	535	100.0	100.0	

तालिका 2 रिहायशी क्षेत्र

रिहायशी क्षेत्र					
		Frequency	Percent	Valid Percent	Cumulative Percent
Valid	ग्रामीण	442	82.6	82.6	82.6
	शहरी	93	17.4	17.4	100.0
	Total	535	100.0	100.0	

इस तालिका में आयु वर्ग के अनुसार रिहायशी क्षेत्र के प्रतिक्रियादाताओं की संख्या दी गई है। यहाँ दर्शाया गया है कि ग्रामीण युवाओं की संख्या 442 है, जो कुल नमूने का 82.6% बनाते हैं। तथा शहरी युवाओं की संख्या 93 है, जो कुल नमूने का 17.4% बनाते हैं।

तालिका 3 मासिक पारिवारिक आय

मासिक पारिवारिक आय					
		Frequency	Percent	Valid Percent	Cumulative Percent
Valid	₹10,000 से कम	183	34.2	34.2	34.2
	₹10,001 - ₹20,000	220	41.1	41.1	75.3
	₹20,001 - ₹30,000	82	15.3	15.3	90.7
	₹30,001 और उससे अधिक	50	9.3	9.3	100.0

	Total	535	100.0	100.0	

इस तालिका में रिहायशी क्षेत्र की मासिक पारिवारिक आय के अनुसार प्रतिक्रियादाताओं की संख्या दी गई है। यहाँ दर्शाया गया है कि 10,000 से कम कमाने वाले परिवार 183 हैं। जो कुल नमूने का 34.2% बनाते हैं। 10,001-20,000 तक कमाने वाले परिवार 220 हैं। जो कुल नमूने का 41.1% बनाते हैं। 20,000-30,000 तक कमाने वाले परिवार 82 हैं। जो कुल नमूने का 15.3% बनाते हैं। तथा 30,000 और उससे अधिक कमाने वाले परिवार 50 हैं। जो कुल नमूने का 9.3% बनाते हैं।

तालिका 4 परिवार का प्रकार

परिवार का प्रकार					
		Frequency	Percent	Valid Percent	Cumulative Percent
Valid	एकल परिवार	187	35.0	35.0	35.0
	संयुक्त परिवार	229	42.8	42.8	77.8
	विस्तारित परिवार	119	22.2	22.2	100.0
	Total	535	100.0	100.0	

इस तालिका में मासिक पारिवारिक आय के अनुसार परिवार का प्रकार दिया गया है। यहाँ दर्शाया गया है कि एकल परिवार 187 हैं। जो कुल नमूने का 35.0% बनाते हैं। संयुक्त परिवार 229 हैं। जो कुल नमूने का 42.8% बनाते हैं। तथा विस्तारित परिवार 119 हैं। जो कुल नमूने का 22.2% बनाते हैं।

तालिका 5 उत्तरदाताओं का दृष्टिकोण

प्रश्न/कथन	**दृढ़ता से सहमत**	**सहमत**	**तटस्थ**	**असहमत**	**दृढ़ता से असहमत**
आंगनवाड़ी केंद्रों की योजनाएं प्रमुख स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करती हैं।	271	110	8	58	88
आंगनवाड़ी कार्यक्रम कुपोषण को कम करने में प्रभावी हैं।	262	95	68	6	104
आंगनवाड़ी केंद्रों की स्वास्थ्य सेवाएं परिवारों के लिए लाभकारी हैं।	246	50	110	50	79

आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों और माताओं की भलाई का समर्थन करते हैं।	107	156	90	166	16
आंगनवाड़ी योजनाओं तक पहुंच से समुदाय के स्वास्थ्य में सुधार होता है।	233	109	172	16	5
आंगनवाड़ी समर्थन से स्वास्थ्य परिणामों में सुधार होता है।	72	85	168	107	103
आंगनवाड़ी सेवाएं कुपोषण दर को कम करने में सहायक हैं।	224	146	87	26	52
आंगनवाड़ी कार्यक्रम समग्र पारिवारिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं।	348	63	59	63	2
लाभार्थी आंगनवाड़ी समर्थन के कारण कम स्वास्थ्य समस्याओं की रिपोर्ट करते हैं।	279	123	63	18	52
आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में सहायक हैं।	196	161	62	19	97
आर्थिक स्थिति आंगनवाड़ी सेवाओं की पहुंच को प्रभावित करती है।	193	138	97	7	100
सामाजिक समर्थन आंगनवाड़ी केंद्रों में जाने को प्रभावित करता है।	210	83	160	57	25
आंगनवाड़ी केंद्र निम्न आय वाली महिलाओं की मदद-करते हैं।	182	217	118	0	18
आर्थिक बाधाएं कार्यक्रम में भागीदारी को प्रभावित करती हैं।	210	211	71	18	25
सामाजिक मानदंड आंगनवाड़ी सेवाओं के उपयोग को प्रभावित करते हैं।	159	113	92	81	90
आंगनवाड़ी केंद्र गर्भावस्था में आम स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करते हैं।	148	146	98	16	127
आंगनवाड़ी केंद्रों में गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य मार्गदर्शन मिलता है।	243	101	122	25	44
आंगनवाड़ी सेवाएं मातृ स्वास्थ्य का समर्थन करती हैं।	266	132	63	43	31

गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य चिंताओं का समाधान आंगनवाड़ी केंद्रों में होता है।	239	123	37	87	49
आंगनवाड़ी केंद्रों में गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच उपलब्ध है।	204	99	98	15	119
आंगनवाड़ी केंद्र आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं।	184	100	127	49	75
आंगनवाड़ी केंद्रों की सेवाएं समुदाय के लिए सुलभ हैं।	166	138	111	66	54
आंगनवाड़ी केंद्र महत्वपूर्ण स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करते हैं।	231	137	82	56	29
आंगनवाड़ी केंद्रों में गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध हैं।	247	121	83	43	41
आंगनवाड़ी सेवाएं स्थानीय परिवारों की जरूरतों को पूरा करती हैं।	200	145	80	36	74
पोषण शिक्षा आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रभावी रूप से दी जाती है।	204	106	84	60	81
आंगनवाड़ी केंद्रों में गर्भवती महिलाएं पोषण का ज्ञान प्राप्त करती हैं।	212	126	90	41	66
आंगनवाड़ी केंद्र स्वस्थ भोजन की आदतों को प्रोत्साहित करते हैं।	237	101	97	56	44
पोषण संबंधी मार्गदर्शन आंगनवाड़ी कार्यक्रमों का एक प्रमुख हिस्सा है।	199	125	88	94	29
पोषण शिक्षा से लाभार्थियों में आहार संबंधी आदतें बेहतर होती हैं।	211	134	116	26	48
आंगनवाड़ी कार्यक्रम पोषण जागरूकता को बढ़ाते हैं।	229	98	44	51	113
गर्भवती महिलाएं आंगनवाड़ी शिक्षा के माध्यम से स्वस्थ आहार को समझती हैं।	252	103	66	12	102
आंगनवाड़ी मार्गदर्शन से महिलाओं में पोषण जागरूकता अधिक होती है।	266	49	111	66	43
आंगनवाड़ी केंद्र गर्भावस्था के लिए पोषण पर जोर देते हैं।	146	150	96	118	25
संतुलित आहार के बारे में जागरूकता आंगनवाड़ी केंद्रों में बढ़ाई जाती है।	231	119	137	17	31

आंगनवाड़ी केंद्रों में सरकारी योजनाओं की जागरूकता बढ़ाई जाती है।	110	129	138	24	134
आंगनवाड़ी केंद्र महिलाओं को कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हैं।	213	133	117	39	33
गर्भवती महिलाएं आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से सरकारी लाभों के बारे में जानती हैं।	259	143	90	36	7
गर्भवती महिलाओं के लिए योजनाओं की जानकारी आंगनवाड़ी केंद्रों में सुलभ है।	257	158	65	27	28
आंगनवाड़ी केंद्र स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं।	192	123	74	57	89
आंगनवाड़ी सेवाओं का समुदाय द्वारा सक्रिय रूप से उपयोग किया जाता है।	208	111	65	57	94
लाभार्थी नियमित रूप से आंगनवाड़ी संसाधनों का उपयोग करते हैं।	222	126	87	35	65
स्थानीय महिलाओं में आंगनवाड़ी केंद्रों का उपयोग अधिक है।	247	88	91	62	47
गर्भवती महिलाओं द्वारा आंगनवाड़ी कार्यक्रमों में अच्छी भागीदारी होती है।	210	136	66	95	28
आंगनवाड़ी सेवाओं को समुदाय द्वारा मूल्यवान माना जाता है।	227	114	125	22	47

आंगनवाड़ी केंद्रों की प्रभावशीलता पर किए गए इस सर्वेक्षण के परिणामों से स्पष्ट होता है कि अधिकांश उत्तरदाता इन केंद्रों की सेवाओं को स्वास्थ्य, पोषण और सामुदायिक विकास के लिए लाभकारी मानते हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावशीलता

आंगनवाड़ी केंद्रों की योजनाएं प्रमुख स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने में कारगर साबित हो रही हैं, क्योंकि 271 उत्तरदाता इससे दृढ़ता से सहमत हैं, जबकि 110 सहमत हैं। इसी प्रकार, आंगनवाड़ी कार्यक्रमों को कुपोषण कम करने में प्रभावी माना गया, जहाँ 262 उत्तरदाता दृढ़ता से सहमत और 95 सहमत हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों की स्वास्थ्य सेवाओं को परिवारों के लिए लाभकारी मानने वालों की संख्या भी अधिक रही, जबकि कुछ उत्तरदाता तटस्थ या असहमत दिखे।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर प्रभाव

अधिकांश उत्तरदाताओं ने माना कि आंगनवाड़ी केंद्र गर्भवती महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हैं। गर्भावस्था में स्वास्थ्य मार्गदर्शन और मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जहाँ क्रमशः 243 और 266 उत्तरदाता इनसे सहमत दिखे। हालांकि, कुछ उत्तरदाताओं ने इन सेवाओं की प्रभावशीलता को लेकर तटस्थ या असहमत दृष्टिकोण भी व्यक्त किया।

समुदाय पर आंगनवाड़ी सेवाओं का प्रभाव

आंगनवाड़ी योजनाओं तक बेहतर पहुंच से समुदाय के स्वास्थ्य में सुधार की धारणा को 233 उत्तरदाताओं ने दृढ़ता से स्वीकार किया। साथ ही, आंगनवाड़ी समर्थन से स्वास्थ्य परिणामों में सुधार होने के विषय पर मिश्रित प्रतिक्रियाएँ मिलीं, जहाँ कुछ उत्तरदाता असहमत दिखे।

सामाजिक और आर्थिक प्रभाव

आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा निम्न-आय वर्ग की महिलाओं की सहायता को लेकर 182 उत्तरदाता दृढ़ता से सहमत और 217 सहमत रहे, जिससे इन सेवाओं की व्यापक स्वीकार्यता स्पष्ट होती है। आर्थिक बाधाओं और सामाजिक मानदंडों को आंगनवाड़ी सेवाओं के उपयोग में महत्वपूर्ण कारक माना गया, हालाँकि कुछ उत्तरदाता इन प्रभावों से असहमत दिखे।

पोषण और जागरूकता

आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा पोषण शिक्षा और जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। अधिकांश उत्तरदाताओं ने माना कि इन केंद्रों में गर्भवती महिलाओं को पोषण संबंधी जानकारी मिलती है और यह कार्यक्रम स्वस्थ भोजन की आदतों को प्रोत्साहित करते हैं। हालाँकि, कुछ उत्तरदाता इससे असहमत भी रहे।

सरकारी योजनाओं की जानकारी

उत्तरदाताओं ने स्वीकार किया कि आंगनवाड़ी केंद्र सरकारी योजनाओं की जागरूकता बढ़ाने में सहायक हैं। विशेष रूप से, गर्भवती महिलाओं को कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के मामले में सकारात्मक प्रतिक्रिया अधिक रही।

सेवाओं की उपयोगिता और स्वीकृति

आंगनवाड़ी केंद्रों की सेवाओं का समुदाय द्वारा सक्रिय रूप से उपयोग किया जाता है, और अधिकांश लाभार्थी नियमित रूप से इन संसाधनों का उपयोग करते हैं। उत्तरदाताओं ने इन सेवाओं को समुदाय के लिए मूल्यवान माना, जिससे उनकी उपयोगिता प्रमाणित होती है।

परिकल्पना परीक्षण

परिकल्पना 1

H01: आंगनबाड़ी केन्द्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली योजनाओं के प्रभाव और लाभार्थियों के स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के बीच महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।

Ha1: आंगनबाड़ी केन्द्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली योजनाओं के प्रभाव और लाभार्थियों के स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

तालिका 6

Correlations			
		आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की गई योजनाओं का प्रभाव	लाभार्थियों के बीच स्वास्थ्य परिणामों में सुधार
आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की गई योजनाओं का प्रभाव	Pearson Correlation	1	.900**
	Sig. (2-tailed)		.000
	N	535	535
लाभार्थियों के बीच स्वास्थ्य परिणामों में सुधार	Pearson Correlation	.900**	1
	Sig. (2-tailed)	.000	
	N	535	535
**. Correlation is significant at the 0.01 level (2-tailed).			

व्याख्या: आंकड़े के आधार पर, Pearson Correlation का मान 0.900** है, जो आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली योजनाओं के प्रभाव और लाभार्थियों के स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के बीच एक मजबूत और सकारात्मक संबंध को दर्शाता है। इसके अलावा, Sig. (2-tailed) का मान 0.000 है, जो 0.01 के स्तर से कम है, और यह सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण संबंध को सिद्ध करता है। इसलिए, शून्य परिकल्पना (H01) को खारिज करते हुए यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि आंगनबाड़ी योजनाओं के प्रभाव और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के बीच एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक संबंध है।

परिकल्पना 2

H02: ग्रामीण गर्भवती महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति और आंगनबाड़ी केन्द्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बीच महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।

Ha2: ग्रामीण गर्भवती महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति और आंगनबाड़ी केन्द्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

तालिका 7

Correlations			
		ग्रामीण गर्भवती महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति	आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की गई सेवाएं
ग्रामीण गर्भवती महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति	Pearson Correlation	1	.778**
	Sig. (2-tailed)		.000
	N	535	535

आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की गई सेवाएं	Pearson Correlation	.778**	1
	Sig. (2-tailed)	.000	
	N	535	535
**. Correlation is significant at the 0.01 level (2-tailed).			

व्याख्या: आंकड़े के आधार पर, Pearson Correlation का मान 0.778** है, जो ग्रामीण गर्भवती महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति और आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बीच एक मजबूत सकारात्मक संबंध को दर्शाता है। Sig. (2-tailed) का मान 0.000 है, जो 0.01 के स्तर से कम है, और यह संबंध सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण है। इसलिए, शून्य परिकल्पना (H02) को खारिज करते हुए यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि ग्रामीण गर्भवती महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति और आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बीच एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक संबंध है।

परिकल्पना 3

H03: गर्भवती महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और आंगनबाड़ी केन्द्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बीच महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।

Ha3: गर्भवती महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और आंगनबाड़ी केन्द्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

तालिका 8

Correlations			
		गर्भवती महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं	आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की गई सेवाएं
गर्भवती महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं	Pearson Correlation	1	.734**
	Sig. (2-tailed)		.000
	N	535	535
आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की गई सेवाएं	Pearson Correlation	.734**	1
	Sig. (2-tailed)	.000	
	N	535	535
**. Correlation is significant at the 0.01 level (2-tailed).			

व्याख्या: आंकड़े के आधार पर, Pearson Correlation का मान 0.734** है, जो गर्भवती महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बीच एक मजबूत सकारात्मक

संबंध को दर्शाता है। Sig. (2-tailed) का मान 0.000 है, जो 0.01 के स्तर से कम है, और यह संबंध सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण है। इसलिए, शून्य परिकल्पना (H03) को खारिज करते हुए यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि गर्भवती महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बीच एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक संबंध है।

परिकल्पना 4

H04: आंगनबाड़ी केन्द्रों द्वारा दी जाने वाली पोषण शिक्षा और गर्भवती महिलाओं की पोषण जागरूकता के बीच महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।

Ha4: आंगनबाड़ी केन्द्रों द्वारा दी जाने वाली पोषण शिक्षा और गर्भवती महिलाओं की पोषण जागरूकता के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

तालिका 9

Correlations			
		आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की गई पोषण शिक्षा	गर्भवती महिलाओं की पोषण जागरूकता
आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की गई पोषण शिक्षा	Pearson Correlation	1	.882**
	Sig. (2-tailed)		.000
	N	535	535
गर्भवती महिलाओं की पोषण जागरूकता	Pearson Correlation	.882**	1
	Sig. (2-tailed)	.000	
	N	535	535
**. Correlation is significant at the 0.01 level (2-tailed).			

व्याख्या: आंकड़े के आधार पर, Pearson Correlation का मान 0.882** है, जो आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा दी जाने वाली पोषण शिक्षा और गर्भवती महिलाओं की पोषण जागरूकता के बीच एक बहुत मजबूत सकारात्मक संबंध को दर्शाता है। Sig. (2-tailed) का मान 0.000 है, जो 0.01 के स्तर से कम है, और यह संबंध सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण है। इसलिए, शून्य परिकल्पना (H04) को खारिज करते हुए यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा दी जाने वाली पोषण शिक्षा और गर्भवती महिलाओं की पोषण जागरूकता के बीच एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक संबंध है।

परिकल्पना 5

H05: गर्भवती महिलाओं के कल्याण के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता और आंगनवाड़ी केंद्रों

द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के उपयोग के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।

Ha5: गर्भवती महिलाओं के कल्याण के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता और आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के उपयोग के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

तालिका 10

Correlations			
		गर्भवती महिलाओं के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता	आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं का उपयोग
गर्भवती महिलाओं के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता	Pearson Correlation	1	.916**
	Sig. (2-tailed)		.000
	N	535	535
आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं का उपयोग	Pearson Correlation	.916**	1
	Sig. (2-tailed)	.000	
	N	535	535
**. Correlation is significant at the 0.01 level (2-tailed).			

व्याख्या: व्याख्या: आंकड़ों के आधार पर, Pearson Correlation का मूल्य 0.916** है, जो गर्भवती महिलाओं के कल्याण के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता और आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के उपयोग के बीच एक बहुत मजबूत सकारात्मक संबंध को इंगित करता है। Sig. (2-tailed) का मान 0.000 है, जो 0.01 स्तर से कम है, और यह संबंध सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण है। इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि गर्भवती महिलाओं के कल्याण के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता और आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के उपयोग के बीच एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक संबंध है, जो शून्य परिकल्पना (H05) को खारिज करता है।

निष्कर्ष

इस अध्ययन का उद्देश्य जबलपुर जिले के कैंट क्षेत्र में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं का विश्लेषण करना था, जिससे यह समझा जा सके कि ये सेवाएं विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर क्या प्रभाव डालती हैं। शोध में पांच प्रमुख परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया, जिनके परिणामस्वरूप यह

निष्कर्ष निकला कि आंगनबाड़ी सेवाओं का लाभार्थियों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। Pearson Correlation के अनुसार, आंगनबाड़ी सेवाओं और स्वास्थ्य परिणामों के बीच मजबूत और सकारात्मक संबंध पाया गया, जिससे यह सिद्ध हुआ कि ये सेवाएं गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य सुधार में सहायक हैं। इसी प्रकार, गर्भवती महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति तथा आंगनबाड़ी सेवाओं के बीच महत्वपूर्ण संबंध पाया गया, यह दर्शाता है कि गरीबी, शिक्षा और सामाजिक स्थिति जैसे कारक इन सेवाओं के उपयोग को प्रभावित करते हैं। अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ कि गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य समस्याओं और आंगनबाड़ी सेवाओं के बीच गहरा संबंध है, जिससे यह निष्कर्ष निकला कि आंगनबाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होती हैं। इसके अतिरिक्त, पोषण शिक्षा और गर्भवती महिलाओं की पोषण जागरूकता के बीच भी मजबूत संबंध पाया गया, जिससे यह सिद्ध हुआ कि आंगनबाड़ी केंद्रों की पोषण शिक्षा से महिलाओं के आहार और पोषण संबंधी व्यवहार में सुधार हुआ है। सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता और आंगनबाड़ी सेवाओं के उपयोग के बीच भी सकारात्मक संबंध पाया गया, यह दर्शाता है कि जब महिलाएं सरकारी योजनाओं के बारे में अधिक जागरूक होती हैं, तो वे आंगनबाड़ी सेवाओं का अधिक लाभ उठाती हैं। तुलनात्मक अध्ययन में यह भी पाया गया कि आंगनबाड़ी सेवाओं का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर अधिक सकारात्मक रहा, जबकि गैर-गर्भवती महिलाओं में अपेक्षाकृत कम सुधार देखा गया। अध्ययन के निष्कर्षों से स्पष्ट होता है कि आंगनबाड़ी सेवाओं का महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सुधारने में महत्वपूर्ण योगदान है, और इन सेवाओं का प्रभावी वितरण सुनिश्चित कर महिलाओं के कल्याण को बढ़ावा दिया जा सकता है।

सन्दर्भ सूची

[1] लियू. ए. एवं अन्य (2011) कम्यूनिटी हेल्थ वर्कर्स इन ग्लोबल न्ध स्योन एण्ड स्न्नविनिटी नेशनल लाईब्रेरी ऑफ मेडिसिन नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ हेल्थ 78 (3) 419-435.

[2] नाथ, ए. एवं अन्य (2009) नॉलेज एण्ड एटीट्यूट्स ऑफ मेडिकल स्टूडेन्ट्स एण्ड इन्टर्नस विध रिगार्ड टू फीमेल फैटीसाइड इण्डियन जर्नल ऑफ कम्यूनिटी मेडिसिन, 24 (2) 184-185 www.jjem.org.in

[3] पाण्डे, बी. (2013) प्रसेप्शन अबाउट आई. सी. डी. एस. सर्विसेज इन ए सरल पॉपुलेशन ऑफ लखनऊए उत्तर प्रदेश इण्डियन जर्नल ऑफ कम्यूनीटी हेल्थ 25 (3) 257-261. http://www.iapsmupuk.org

[4] पराडे, एम. ए. (2016) स्टडी ऑफ फन्यासनिंग ऑफ आँगनबाड़ी सेन्टर ऑफ रूरन पुणेए महाराष्ट्र इण्डियन जर्नल ऑफ मेटेरनल एण्ड पाइड डेल्टा 15(3): 1-8. www.researchgate.net

[5] पारिख, एन. वाइ. एवं अन्य (2009) त्रिवेजेन्स ऑफ एक्सक्लूजिव प्रेस्टफिडिंग एण्ड इट्स डेटरमिनाट्स इन फास्ट 8 मन्धस ऑफ लाईफ ए प्रोस्पेक्टीय स्टडी ऑनलाइन जर्नल ऑफ डेल्थ एण्ड एलाइड साइन्स 8 (1) 17. http://ojhas.org

[6] पारिख, पी. एवं अन्य (2011) नॉलेज ऑफ परसेप्सन्स ऑफ आईण् सीण् डीण् एसण् आँगनबाड़ी स विद्वरेफरेन्स टू प्रमोशन ऑफ कम्यूनिटी बेस्ड कॉम्पलिमेंटरी फीडिंग प्रेक्टीसीज

इन सेमी ट्राईपल गुजरात नेशनल जर्नल ऑफ कम्यूनिटी मेडिसीन 2(3): 457-484www.njemindia.org

[7] परमार, एम. एवं अन्य (2015) नॉलेज ऑफ आँगनबाड़ी वर्कर्स अबाउट इन्टीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेण्ट सर्विसेज (आई. सी.डी. एस.) ऑफ गुजरात इण्टरनेशनल जर्नज ऑफ मल्टीडिसीप्लीनरी रिसर्च एण्ड डेवलपमेण्ट, 2 (8) 170-174 www.allsujectjournal.com

[8] मालवीय व. 2025. मध्य प्रदेश में जैविक कृषि की वर्तमान स्थिति का अध्ययन. International Journal of Innovations in Science, Engineering And Management. 4, 1 (Feb. 2025), 204–219. DOI:https://doi.org/10.69968/ijisem.2025v4i1204-219.